राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण
नई दिल्ली। शनिवार • 27 मार्च • 2021 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

98 शिक्षक व प्रिंसिपल राज्य शिक्षक अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली सरकार ने दिल्ली सचिवालय में शुक्रवार को आयोजित राज्य शिक्षक पुरस्कार समारोह में दिल्ली के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के 98 शिक्षकों और प्रिंसिपलों को स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए विशिष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

शिक्षकों को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, शिक्षा निदेशक उदित प्रकाश राय, शिक्षा सलाहकार शैलेन्द्र शर्मा और शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। इस समारोह के दौरान दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़े भागीदार होते हैं।

शिक्षकों द्वारा शिक्षा की बेहतरी के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि हम देश में पहली बार लगे लॉकडाउन के ठीक एक साल बाद यहां उपस्थित हुए हैं। कोरोना महामारी के कारण हमारी शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। लेकिन हमारे स्कूलों के शिक्षकों और प्रधानाचार्यों ने कठिनाइयों का सामना करते हुए इस स्थिति के जवाब में अविश्वसनीय धैर्य दिखाया। जिन शिक्षकों को ये तक नहीं पता था कि स्मार्टफोन का प्रयोग कैसे किया जाता है, उन्होंने छात्रों की पढ़ाई को जारी रखने के लिए स्मार्टफोन का प्रयोग करना सीखा और सुनिश्चित किया कि बच्चों की पढ़ाई न रुके। अब हमें रटे-रटे सीखने की प्रथाओं को खत्म करना है और यही कारण है कि हम दिल्ली के अपने शिक्षा बोर्ड की शुरुआत करने जा रहे है। पुरस्कार समारोह में शामिल शिक्षा निदेशक उदित प्रकाश राय ने कहा कि अध्यापक शिक्षा व्यवस्था के प्रमुख स्तम्भ है। उन्होंने महामारी के दौरान सीखने की सीमाओं से परे जाकर शानदार काम किया है। सम्मानित होने वाले सभी शिक्षकों और स्कूल प्रिंसिपल में से 63 महिलाएं और 35 पुरुष थे। इनमें दिल्ली के सरकारी स्कूलों से 69, प्राइवेट स्कूलों से 18 और दिल्ली नगर निगम के स्कूलों के 11 शिक्षक शामिल थे। पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों में स्पेशल एज्युकेटर, म्यूजिक और आर्ट टीचर, लाइब्रेरियन, मेंटर टीचर, स्पोर्ट्स टीचर और वोकेशनल टीचर शामिल थे। इसके अलावा, दिल्ली सरकार ने 11 शिक्षकों और अधिकारियों को सेमी ऑनलाइन शिक्षण गतिविधियों और कोरोना काल में किए गए राहत कार्यों में उनकी अनुकरणीय प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया।